पाठ -६ प्राथमिक चिकित्सा

रवि अपनी बहन रेखा के साथ स्कूल जा रहा था। रवि का पैर केले के छिलके पर पड़ा वह फिसल कर गिर गया। उसके पैर में चोट लग गई। जिससे खून बहने लगा रेखा ने तुरंत अपने बैग से रुमाल निकालकर उसके घाव पर बाँध दिया। रवि का खून बहना बंद हो गया उसके बाद रेखा उसे डॉक्टर के पास ले गई।

आपने देखा कि रेखा द्वारा तुरंत रवि के घाव पर रुमाल बाँधने से खून बहना बंद हो गया। उसके द्वारा किया गया यह कार्य ही प्राथमिक चिकित्सा है।

यदि विद्यालय में खेलते समय आपके सहपाठी को चोट लग जाती है, तो आप क्या-क्या करेंगे ?

प्राथमिक चिकित्सा -

"प्राथमिक चिकित्सा उस चिकित्सा को कहते हैं जो दुर्घटना स्थल पर डॉक्टर के देखने से पूर्व की जाती है।"

प्रायः हमारी असावधानी से कोई न कोई दुर्घटना होती रहती है। जैसे- कभी ब्लेड या चाकू से उँगली कट जाती है। सीढ़ियों या ऊँचे स्थानों से गिरकर हाथ-पैर की हड्डियाँ टूट जाती हैं। मधुमक्खी, बिच्छू, साँप या कुत्ते के काटने पर विष फैल जाता है। पानी में डूबने से बेहोशी आ जाती है। गरम चीजों से हाथ-पैर जल जाते हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत प्राथमिक उपचार की आवश्यकता होती है। यदि ऐसा न हो तो स्थिति गंभीर हो सकती है। इससे दुर्घटना को गंभीर होने से रोक सकते हैं।

ऐसी स्थिति में उपचारकर्ता के पास कुछ महत्वपूर्ण वस्तुओं का होना आवश्यक होता है। प्राथमिक उपचार के दौरान उपयोग में आने वाले साधनों को प्राथमिक चिकित्सा पेटी (First-aid-Kit) कहा जाता है। जिसका उपयोग कर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल आने वाली परेशानियों से बचाया जा सकता है। अतः इसे घर, विद्यालय एवं बाहर जाने पर अपने पास अवश्य रखनी चाहिए।

आइए जानें- इस पेटिका में कौन-कौन सी वस्तुएँ होती हैं तथा उनका प्रयोग कहाँ-कहाँ होता है ?

- बाम- सिरदर्द, सर्दी-जुकाम, हाथ-पैर व कमरदर्द के लिए।
- रुई व पट्टी- घाव साफ करने व चोट पर बाँधने हेतु।
- डिटॉल/सेवलान- घाव को साफ करने के लिए।
- बैण्डेड- छिलने व कटने पर इसका प्रयोग संक्रमण से बचाता है।
- एंटीसेप्टिक क्रीम-छिलने, कटने एवं घाव पर लगाने हेतु।
- इनो, पुदीनहरा- पेटदर्द, दस्त, अपच, बदहजमी आदि में आराम के लिए।
- इलेक्ट्रॉल- निर्जलीकरण से बचाव हेतु। यह शरीर में नमक एवं खनिजलवण की कमी को पूरा करता है।
- एंटी एलर्जिक दवा/क्रीम-त्वचा पर होने वाली खुजली एवं चकत्तों से आराम के लिए।
- थर्मामीटर- बुखार नापने के लिए।
- ग्लूकोज- थकावट एवं बेहोशी आने पर।
- कैंची- पट्टी को काटने व अन्य कार्यों के लिए।

इन्हें भी जानें-

- दवाओं को खरीदते समय उसके खराब होने की तिथि अवश्य देखें।
- पेटिका में रखी वस्तुओं को समय-समय पर जांच करते रहना चाहिए।
- यदि किसी दवा की तिथि समाप्त (Expiry date) हो गई है तो उसे हटा देना चाहिए।
- पेटिका में दवा या अन्य सामग्री समाप्त हो जाने पर उसे पुनः खरीद कर रख देना चाहिए।

प्राथमिक उपचार

(अ) बर्र या मधुमक्खी का काटना - जब कोई विषैला जीव जैसे- बर्र या मधुमक्खी काट लेती है तो उससे भयंकर पीड़ा एवं जलन होने लगती है तथा चकत्ते पड़ जाते हैं। कभी-कभी इनके डंक मारने पर उसकी नोंक टूटकर शरीर में रह जाती है जिससे विष फैलने पर वह स्थान सूज जाता है और उसमें तीव्र जलन होती है।

उपचार

- कटे हुए स्थान को स्प्रिट या साबुन से धोना चाहिए।
- यदि कीड़े का डंक रह गया हो तो तुरंत किसी नुकीली चीज से दबाकर निकाल लेना चाहिए। पर यह ध्यान रहे कि उस स्थान को इतना अधिक न दबाया जाए कि शरीर में विष और अधिक फैल जाए।
- घाव को खरोंचना या खुजलाना नहीं चाहिए। इससे संक्रमण बढ़ने की संभावना रहती है।
- घाव पर हल्का अमोनिया या नौसादर और चूने को बराबर-बराबर मात्रा में लेकर लगाना चाहिए। उसके ऊपर दो-चार बूँदे पानी की डाल देनी चाहिए।
- गंभीर स्थिति में बारी-बारी से ठंडा और गर्म सेंक लाभदायक होती है।
- प्राथमिक उपचार के बाद रोगी को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।

(ब) बिच्छू का काटना

बिच्छू की पूँछ में वक्राकार डंक होता है। जब बिच्छू डंक मारता है तो वहाँ पर विष छोड़ देता है। यह विष नाड़ीतंत्र पर बुरा प्रभाव डालता है। ऐंठन एवं बेहोशी भी उत्पन्न कर सकता है। जी मिचलाना, उल्टी तथा सिरदर्द की शिकायत हो सकती है। साँस तेजी से चलने लगती है। काटे गये स्थान पर जलन जैसा आभास होता है। यदि बिच्छू के डंक मारने पर तुरन्त उपचार न किया जाय तो रोगी की मृत्यु भी हो सकती है।

उपचार

- काटने वाले स्थान से थोड़ा ऊपर कस कर पट्टी बाँध देनी चाहिए जिससे विष पूरे शरीर में न फैले।
- कटे हुए स्थान पर बर्फ रख देने से भी दर्द का अनुभव कम होता है।
- प्राथमिक उपचार करने के तुरन्त बाद डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

(स) कुत्ते का काटना

प्रायः कुत्ते छेड़ने पर काट लेते हैं। लेकिन यदि कुत्ता पागल है तो बिना छेड़े हुए भी काट सकता है। पागल कुत्ते को पहचानना सरल है। यदि ध्यानपूर्वक देंखे तो पागल कुत्ते की पूँछ झुकी होती है। चेहरा भयानक हो जाता है। उसके मुँह से झाग निकलता है। वह अकारण ही भौंकता रहता है।

पागल कुत्ता के काटने पर व्यक्ति में निम्नलिखित लक्षण दिखाई पड़ते हैं-

- रोगी को पानी से डर लगता है।
- गले में दर्द होता है।
- भोजन नहीं निगल पाता है।

उपचार

- पागल कुत्ते के काटने पर घाव को तुरन्त साबुन या स्प्रिट से धोना चाहिए।
- रोगी को तुरन्त अस्पताल भेजकर रेबीज का इंजेक्शन लगवाना चाहिए। इसमें बिल्कुल भी असावधानी नहीं करनी चाहिए क्योंकि कुत्ते के काटने से हाइड्रोफोबिया

नामक भयंकर रोग हो जाता है।

(द) साँप का काटना

साँप के काटने पर विष की कुछ बूँदे शरीर में प्रवेश कर जाती है। कटे हुए स्थान पर दर्द के साथ सूजन आ जाती है। त्वचा का रंग बैंगनी हो जाता है। वहाँ पर विषदंत के दो छोटे-छोटे छिद्र देखे जा सकते हैं। व्यक्ति को बेहोशी तथा निद्रा आने लगती है। जब कभी भी इस प्रकार की घटना घटित हो, हमें तुरंत प्राथमिक उपचार करना चाहिए। जिससे विष को फैलने से रोका जा सके।

उपचार

- साँप काटे हुए व्यक्ति को तुरंत शान्तिपूर्वक लिटा देना चाहिए लेकिन उसे सोने न दिया जाए।
- व्यक्ति को भय द्वारा उत्तेजित होने से रोके, जिससे विष का संचार तेजी से न हो। साँप काटने के स्थान से थोड़ा ऊपर की ओर रूमाल, टाई, जूते के फीते या किसी अन्य उपयुक्त वस्तु से कसकर बाँधना चाहिए। कसकर बाँधने से शरीर में विष फैल नहीं पाता है।
- मादक पदार्थ नहीं देना चाहिए। मादक पदार्थ विष फैलाने में सहायक होता है।
- साँप काटे हुए व्यक्ति को जितनी जल्दी हो सके, डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।

इन्हें भी जानिए

विषैले कीड़े या जंतु के काटने पर अंध विश्वास में पड़कर झाड़-फूँक नहीं करना चाहिए। बल्कि प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत डॉक्टर से इलाज करवाना चाहिए।

अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(1) रिक्त स्थान की पूर्ति करिए-

(क) इलेक्ट्रोल का प्रयोग ....से बचाव हेतु किया जाता है।

(ख) थकावट या बेहोशी आने पर .....दिया जाता है।

(ग) डॉक्टर के आने से पहले ..... दिया जाता है।

(2) सही (T) या गलत (F) का चिह्न लगाइए -

(क) घाव को खरोंचना या खुजलाना नहीं चाहिए। ( )

(ख) बिच्छू के पूँछ में वक्राकार डंक होता है। ( )

(ग) सड़क पर केले का छिल्का फेंक देना चाहिए।( )

(घ) मधुमक्खी के काटने से शरीर पर चकत्ते पड़ जाते हैं। ( )

2. अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

(क) पागल कुत्ते के काटने से कौन सा रोग होता है ?

(ख) डॉक्टर के आने से पहले दिया जाने वाला उपचार क्या कहलाता है ?

3. लघु उत्तरीय प्रश्न

(क) प्राथमिक चिकित्सा पेटी से आप क्या समझते हैं ?

(ख) बिच्छू के डंक मारने पर दो प्राथमिक उपचार लिखिए।

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(क) मधुमक्खी के काटने पर क्या लक्षण होते हंै तथा उसका उपचार क्या है ?

(ख) साँप के काटने पर आप क्या उपचार करेंगे ?

प्रोजेक्ट वर्क-

प्राथमिक चिकित्सा में काम आने वाली वस्तुओं को एकत्र करके एक डिब्बे (बॉक्स) में रखिए और उसकी सूची बनाएँ।